

MGPE-011

HUMAN SECURITY

IMPORTANT QUESTIONS WITH ANSWERS

PART-4

Discuss various dimensions of marginalisation of women in Indian society.

The marginalization of women in Indian society manifests across various dimensions, including economic, social, political, educational, and health aspects. Despite legal frameworks and policies aimed at promoting gender equality, deep-rooted patriarchal norms and cultural practices continue to perpetuate gender disparities.

भारतीय समाज में महिलाओं का हाशियाकरण विभिन्न आयामों में प्रकट होता है, जिनमें आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक और स्वास्थ्य संबंधित पहलू शामिल हैं। लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाले कानूनी ढांचे और नीतियों के बावजूद, गहरे जड़ जमाए पितृसत्तात्मक मानदंड और सांस्कृतिक प्रथाएं लैंगिक असमानताओं को बनाए रखती हैं।

Economic Marginalization

Women in India face significant economic marginalization. They often have limited access to economic resources and opportunities. Many women are employed in low-paying, informal sector jobs without job security or benefits. Additionally, the gender pay gap persists, with women earning significantly less than men for the same work. Women's participation in the workforce is also hindered

by societal expectations and responsibilities related to domestic work and caregiving.

आर्थिक हाशियाकरण

भारत में महिलाएं महत्वपूर्ण आर्थिक हाशियाकरण का सामना करती हैं। उनके पास अक्सर आर्थिक संसाधनों और अवसरों तक सीमित पहुंच होती है। कई महिलाएं असुरक्षित नौकरियों और लाभों के बिना कम वेतन वाले अनौपचारिक क्षेत्र की नौकरियों में कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, लैंगिक वेतन अंतर बना रहता है, जिसमें समान काम के लिए महिलाओं को पुरुषों की तुलना में काफी कम वेतन मिलता है। कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी भी घरेलू काम और देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों से संबंधित सामाजिक अपेक्षाओं से बाधित होती है।

Social Marginalization

Socially, women in India often face discrimination and marginalization. Patriarchal attitudes and practices such as dowry, female infanticide, and child marriage persist in many parts of the country. Women are often subjected to domestic violence and have limited autonomy over their lives and bodies. Cultural norms and traditions frequently place women in subordinate roles within families and communities, restricting their social mobility and participation in public life.

सामाजिक हाशियाकरण

सामाजिक रूप से, भारत में महिलाएं अक्सर भेदभाव और हाशियाकरण का सामना करती हैं। देश के कई हिस्सों में दहेज, कन्या भ्रूण हत्या और बाल विवाह जैसी पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण और प्रथाएं बनी हुई हैं। महिलाएं अक्सर घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं और उनके जीवन और शरीर पर सीमित स्वायत्तता होती है। सांस्कृतिक मानदंड और परंपराएं अक्सर महिलाओं को परिवारों और समुदायों में अधीनस्थ भूमिकाओं में रखती हैं, जिससे उनकी सामाजिक गतिशीलता और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी सीमित होती है।

Political Marginalization

In the political arena, women are underrepresented at all levels of government. While there are reservations for women in local governance (Panchayati Raj Institutions), their representation in state and national legislatures remains low. Women politicians often face significant barriers, including gender bias, lack of support, and threats of violence. This underrepresentation limits women's influence on policy-making and governance.

राजनीतिक हाशियाकरण

राजनीतिक क्षेत्र में, सरकार के सभी स्तरों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है। जबकि स्थानीय शासन (पंचायती राज संस्थाओं) में महिलाओं के लिए आरक्षण है, राज्य और राष्ट्रीय विधायिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व कम है। महिला राजनीतिज्ञों को अक्सर लिंग पूर्वाग्रह, समर्थन की कमी और हिंसा की धमकियों सहित महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ता है। यह अल्प प्रतिनिधित्व नीति-निर्माण और शासन पर महिलाओं के प्रभाव को सीमित करता है।

Human security is intrinsically linked to environment security.

Human security is intrinsically linked to environmental security, as a stable and healthy environment is fundamental to the well-being and survival of human populations. Environmental degradation, climate change, and natural resource depletion pose significant threats to human security by impacting health, livelihoods, and social stability.

मानव सुरक्षा पर्यावरण सुरक्षा से आंतरिक रूप से जुड़ी हुई है, क्योंकि एक स्थिर और स्वस्थ पर्यावरण मानव आबादी की भलाई और अस्तित्व के लिए मौलिक है। पर्यावरणीय क्षरण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों का हास स्वास्थ्य, आजीविका और सामाजिक स्थिरता को प्रभावित करके मानव सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण खतरे उत्पन्न करते हैं।

Impact on Health

Environmental degradation directly affects human health. Pollution, deforestation, and water contamination can lead to various health problems, including respiratory diseases, waterborne illnesses, and malnutrition. Climate change exacerbates these issues by increasing the frequency and intensity of extreme weather events, spreading infectious diseases, and undermining food and water security.

स्वास्थ्य पर प्रभाव

पर्यावरणीय क्षरण सीधे मानव स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। प्रदूषण, वनों की कटाई और जल प्रदूषण विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं, जिनमें श्वसन रोग, जल जनित बीमारियाँ और कुपोषण शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन इन मुद्दों को चरम मौसम की घटनाओं की आवृत्ति और तीव्रता बढ़ाकर, संक्रामक रोगों को फैलाकर और खाद्य और जल सुरक्षा को कमजोर करके बढ़ाता है।

Livelihoods and Economic Security

Environmental security is crucial for livelihoods and economic security. Many communities, particularly in developing countries, rely on natural resources for their livelihoods. Environmental degradation, such as soil erosion, desertification, and loss of biodiversity, can destroy these resources, leading to poverty, displacement, and conflict. Sustainable management of natural resources is essential for economic stability and growth.

आजीविका और आर्थिक सुरक्षा

पर्यावरण सुरक्षा आजीविका और आर्थिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। कई समुदाय, विशेष रूप से विकासशील देशों में, अपनी आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं। पर्यावरणीय क्षरण, जैसे मृदा अपरदन, मरुस्थलीकरण और जैव विविधता की हानि, इन संसाधनों को नष्ट कर सकते हैं, जिससे गरीबी, विस्थापन और संघर्ष हो सकता है। आर्थिक स्थिरता और विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों का सतत प्रबंधन आवश्यक है।

Climate Change

Climate change is a significant threat to both environmental and human security. Rising global temperatures, sea-level rise, and increased frequency of extreme weather events threaten ecosystems and human settlements. These changes can lead to loss of habitats, displacement of communities, and increased vulnerability to natural disasters. Mitigating climate change and adapting to its impacts are crucial for ensuring both environmental and human security.

जलवायु परिवर्तन

जलवायु परिवर्तन पर्यावरण और मानव सुरक्षा दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है। बढ़ते वैश्विक तापमान, समुद्र स्तर में वृद्धि और चरम मौसम की घटनाओं की आवृत्ति में वृद्धि पारिस्थितिक तंत्र और मानव बस्तियों को खतरे में डालते हैं। ये परिवर्तन निवास स्थान के नुकसान, समुदायों के विस्थापन और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशीलता में वृद्धि का कारण बन सकते हैं। जलवायु परिवर्तन को कम करना और इसके प्रभावों के अनुकूल होना पर्यावरण और मानव सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।